गुरूवार
12 अक्टूबर 2023

पृष्ठ 3
क्या टोमेटो केचप हेल्दी है, जानें डाइटिशियन की सलाह

पृष्ठ 6
संदेश: कूटनीतिक अभयदान वापस ले लेगी सरकार

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 243
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

भय से ही दुःख आते हैं, भय से ही मृत्यु होती है और भय से ही बुराइयाँ उत्पन्न होती हैं।

— विवेकानंद

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

देवभूमि के मंदिर आस्था का ही नहीं आर्थिकी का भी केंद्र: मोदी

देहरादून(संवाददाता)। आदि कैलाश पहुंचने पर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने आदि कैलाश यात्रा से भक्ति और शक्ति का संदेश दिया।

आज यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत की आध्यात्मिक भूमि आदि कैलाश पहुंचे। यहां शिव मंदिर में पूजा करते हुए प्रधानमंत्री ने आदि कैलाश के विराट दर्शन किए और देश की सुख, समृद्धि एवं खुशहाली के लिए प्रार्थना की। इस दौरान उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री मोदी अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत आज सुबह पौने नौ बजे हेलीकॉप्टर से पिथौरागढ़ जनपद में ज्योलिंगकांग हेलीपैड पर उतरे। यहां से दाहिनी ओर करीब डेढ़ किमी की दूरी कार से तय करते हुए हिमालय की चोटी पर स्थित पार्वती सरोवर और शिव मंदिर पहुँचे। करीब 25 मिनट तक शिव की पूजा और ध्यान किया। आदि कैलाश मंदिर में रं-समुदाय के लामा पुजारियों ने पौराणिक काल से प्रसिद्ध शिव-पार्वती की माटी पूजा पूरे विधि विधान के साथ संपन्न की। इसके बाद पीएम मोदी ने आदि कैलाश पर्वत और पार्वती सरोवर के दर्शन भी किए। आदि कैलाश और पार्वती सरोवर के दर्शन कर प्रधानमंत्री अभीभूत हो उठे। उन्होंने कहा कि आदि कैलाश के दर्शन कर उनका मन प्रसन्न और जीवन धन्य हो गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड देव भूमि है। यहां कण-कण में देवी देवताओं का वास है। भगवान आदि कैलाश के दर्शन कर उन्हें परम आनंद की अनुभूति हुई है। उन्होंने कहा कि देवभूमि के मंदिर आस्था ही नही आर्थिकी का भी केंद्र हैं। इन मंदिरों से हजारों लोगों की आर्थिकी प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से जुड़ी है। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सभी मंदिरों को एक सर्किट के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को आदि कैलाश और आसपास के क्षेत्र के बारे जानकारी दी। प्रधानमंत्री के भ्रमण से चीन सीमा पर तैनात सेना के जवानों के साथ ही सीमा पर बसे गांव कुटी, नाबि, रोंगकांग, गुंजी, नपल्चयू, गर्व्यांग, बूंदी के ग्रामीणों में गजब उत्साह देखने को मिला। आदि कैलाश के दर्शन करने के बाद पीएम मोदी ज्योलिंगकांग हैलीपेड से गुंजी के लिए रवाना हुए। प्रधानमंत्री मोदी आदि कैलाश की यात्रा करने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री भी बन गए है। तीन देशों की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से लगी इस भूमि से प्रधानमंत्री ने पूरे विश्व को अध्यात्म और वैश्विक क्षेत्र में उभरती भारत की शक्ति का संदेश भी दिया।

मुंबई लोकल ट्रेन बनी डांस क्लब का अड्डा, वीडियो वायरल

मुम्बई। मेट्रो और ट्रेनों जैसी जगहों से आए दिन कई तरह के वीडियोज वायरल होते रहते हैं। इस क्रम में एक और वीडियों मुंबई लोकल ट्रेन से सामने आया है। जिसमें एक युवती बेहद छोटे कपड़े पहन कर अश्लील डांस करती दिख रही है। इस वीडियो में एक युवती नजर आ रही है जिसने बेहद रिवीलिंग ड्रेस पहनी हुई है। बेहद छोटी सी ड्रेस पहन लोगों के बीच नाचती इस लड़की को लोग सोशल मीडिया पर बुरी तरह से ट्रोल कर रहे हैं। बता दें कि इस लड़की ने चाइना गेट फिल्म के एक गाने छम्मा छम्मा पर धमाकेदार डांस किया है। इस वीडियों में उसके पास में बैठी हिजाब वाली लड़की का रिएक्शन देखा जा सकता है। लड़की काफी यंग है और उसने अपनी हॉटनेस और बोल्डनेस से पूरी बोगी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। जिस यूजर ने इसका वीडियो पोस्ट किया है उसने लिखा, 'कहां से लाते हैं इतना कॉंफिडेंस ये लोग?' इसके बाद लोग भी कई तरह के कमेंट्स कर रहे हैं। एक ने लिखा है, 'जिंदगी में इतना आत्मविश्वास नहीं आना चाहिए'।

भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने को बनाये नियम

ओडिशा। पुरी में भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने के लिए केन्द्र सरकार ने शर्तें रख दी हैं। विशेषकर महिलाओं को अब जगन्नाथ मंदिर में आने के लिए ड्रेस कोड को फॉलो करना होगा।

एक जनवरी 2024 से ड्रेस कोड लागू हो जाएगा, लेकिन इसके बारे में लोगों को अभी से जागरूक किया जा रहा है। वहीं मंदिर में ड्रेस कोड लागू करने का फैसला मंदिर की नीति सब-कमेटी की मीटिंग में लिया गया।

जगन्नाथ मंदिर प्रबंधन के चीफ ने बताया कि जगन्नाथ मंदिर में

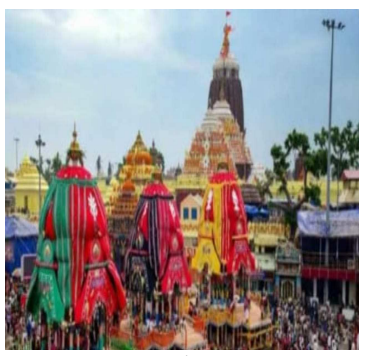

लोग अब हाफ पैंट, फटी जीन्स, स्कर्ट और स्लीवलेस कपड़े पहनकर नहीं आ सकेंगे।

हालांकि अभी यह तय नहीं हुआ कि कैसे कपड़े पहनने होंगे, लेकिन असभ्य दिखने वाले कपड़े नहीं पहन पाएंगे। मंदिर के पदाधिकारियों का कहना है कि लोग मंदिर में ऐसे आते हैं, जैसे घूमने आ रहे हों। मंदिर की मर्यादा और पवित्रता का ध्यान रखना हमारी जिम्मेदारी है। मंदिर के सिंह द्वार पर तैनात सुरक्षाबल और सेवक ड्रेस कोड की निगरानी करेंगे।

बता दें कि मध्य प्रदेश के उज्जैन में महाकाल मंदिर के गर्भगृह में भी एंट्री करने पर ड्रेस कोड लागू है। पुरुषों के लिए धोती-सोला पहनना अनिवार्य किया गया है। महिलाओं को साड़ी पहननी होगी। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की बैठक में यह फैसला लिया गया था।

दून वैली मेल

संपादकीय

सिर्फ चुनाव जीतने की राजनीति

क्या राजनीति का आशय सिर्फ चुनावी जीत रह गया है। क्या देश के नेता और राजनीतिक दल कोई भी काम सिर्फ और सिर्फ चुनावी जीत के उद्देश्य को सामने रखकर करते हैं? इन सवालों का सीधा एक ही जवाब है हां! उत्तराखंड में इन दिनों निकाय चुनाव और उनसे जुड़े राजनीति के मुद्दे चर्चाओं के केंद्र में है। एक तरफ जहां निकायों के विस्तारीकरण की प्रक्रिया चल रही है वहीं दूसरी तरफ मलिन बस्तियों के मालिकाना हक और हाउस टैक्स जमा करने की प्रक्रिया गतिमान है। इसके अलावा निकाय चुनावों से जुड़ा तीसरा बड़ा मुद्दा है निकाय चुनाव में होने वाले विलंब का जिसे लेकर एक जनहित याचिका पर हाईकोर्ट द्वारा सरकार से जवाब मांगा गया है कि उसने अभी तक निकाय चुनाव की प्रक्रिया क्यों शुरू नहीं की है? उल्लेखनीय है कि निकायों का कार्यकाल 2 दिसंबर को खत्म होने वाला है जिसमें अब बमुश्किल ढाई महीने का समय ही बचा है। निकायों से जुड़े इन सभी सवालों और समस्याओं की कड़ियों को अगर जोड़कर देखा जाए तो यही निष्कर्ष निकलता है कि चुनाव चाहे किसी भी स्तर के हो हर नेता व राजनीतिक दल सिर्फ अपनी चुनावी जीत की राजनीति में मगरूर है। बात अगर मलिन बस्तियों में रहने वाले उन लोगों की करें जिसे नगर निगम द्वारा एक मुश्त टैक्स जमा कराया जा रहा है जिसके शपथ पत्र में न्यायालय न जाने की शपथ भी भी रखी गई है अत्यंत ही गंभीर मुद्दा है। इसे लेकर विपक्षी दलों के नेताओं द्वारा जब गंभीर सवाल उठाते हुए कहा गया कि निगम को क्या अधिकार है कि वह न्याय पाने के संवैधानिक अधिकार को किसी से छीन ले तो बैकफुट पर आए दून के मेयर को शपथ पत्र से यह शर्त हटानी पड़ी। खास बात यह है कि अब भाजपा के कुछ पार्षद भी इसके खिलाफ खड़े हो गए हैं। दून में 100 वार्ड है जिनमें से 129 मलिन बस्तियां हैं जिनमें 40000 घर है तथा 18000 घरों का टैक्स जमा नहीं हुआ है। जिसके लिए निगम टैक्स वसूली अभियान चला रहा था या यूं कहें कि उन्हें मालिकाना हक देकर उनके वोट वसूली के प्रयास कर रहा था। सीधे तौर पर इसका प्रभाव 31 सीटों पर पड़ना है जो निगम की सत्ता पर काबिज रहने के लिहाज से अत्यंत ही महत्व रखता है। मगर शपथ पत्र की एक शर्त भाजपा और मेयर पर भारी पड़ गई जो अब उसका खेल बिगाड़ सकती है। भले ही मेयर गामा अभी भी शर्त हटाने के बाद मलिन बस्तियों में रहने वालों के स्वयं को हितैषी बता रहे हो लेकिन इस सब ने यह साबित कर दिया है कि वह कितने हितैषी हैं। निकाय चुनाव जिनकी प्रक्रिया अभी तक शुरू नहीं की गई और यह मामला हाई कोर्ट पहुंच गया है इसे लेकर भी विपक्ष अब हमलावर है। पिछली बार भी निकाय चुनाव देरी से हुए थे और कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद हुए थे इस बार भी वैसा ही होने जा रहा है। विपक्ष का आरोप है कि सत्ता में बैठे लोग जानबूझकर चुनाव में देरी करना चाहते हैं क्योंकि राज्य की सभी निकाय व पालिकाओं द्वारा कोई काम नहीं किए जाने से शहरों की बदहाल स्थिति है। इसमें कोई शक भी नहीं है कि अगर दून की सड़क, बिजली, पानी और सीवर तथा पेयजल की व्यवस्था के हालात व सफाई की स्थिति देखी जाए तो वह इससे ज्यादा खराब शायद कभी नहीं रही होगी। निकायों के सीमा विस्तार का काम तो अधर में लटका हुआ है ही इसके साथ ही ओबीसी आरक्षण का काम भी पूरा नहीं हो सका है। ऐसी स्थिति में निकाय चुनाव के समय पर हो जाने की संभावनाएं बहुत कम है। देखना होगा कि सरकार हाई कोर्ट को इस मामले में अब क्या जवाब देती है हां एक बात जरूर है कि सत्ता में बैठे लोगों द्वारा जनता की समस्याओं से ज्यादा सरोकार अपनी चुनावी जीत की राजनीति ही है। जो अब उस पर भारी पड़ती दिख रही है।

मन्द्रया सोम धारया वृषा पवस्व देवयुः।
अव्यो वारेष्वस्मयुः (ऋग्वेद ९-६-१)

परमेश्वर इस सृष्टि में हर स्थान पर उपस्थित है। परमेश्वर शांति और आनंद की उदार शक्ति है, जो किसी का न तो मित्र न किसी का द्वेषी होता है। हमें प्रार्थना करनी चाहिए कि परमेश्वर शांति और पवित्रता के आशीर्वाद की हमारे ऊपर भी वर्षा करें।

God is present everywhere in this creation- God is a generous force of peace and joy who is neither a friend nor an enemy to anyone- We should pray that God will shower the blessings of peace and purity on us also- (Rig Ved 9&6&1)

कांग्रेस सहित छह विपक्षी दलों ने भेजा सरकार को खुला खत

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस सहित छह विपक्षी दलों ने सरकार को खुला खत लिखकर मलिन बस्तियों को लेकर सरकारी की निष्क्रियता पर सवाल उठाये।

आज यहां एक खुला खत द्वारा राज्य कांग्रेस, सीपीआई, सीपीआई(एम), सीपीआई(एमएल), समाजवादी पार्टी एवं उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी के नेता ने खुला खत द्वारा मालिन बस्तियों को ले कर सरकार की निष्क्रियता पर सवाल उठाया। विपक्षी दलों का कहना है कि आई हुई खबरों के अनुसार, सात साल में शहरों में बस्तियों के नियमितीकरण और पुनर्वास अधिनियम पर राज्य सरकार ने कोई काम ही नहीं किया है।

यह कानून पिछली कांग्रेस सरकार के समय में बनाया गया था लेकिन हैरतअंगेज बात है कि जहाँ तक देहरादून शहर की बात है, 2017 और 2021 के बीच में इस कानून के अमल के लिए एक बैठक तक नहीं रखी गई। अभी तक मात्र तीन ही बस्तियों का सर्वेक्षण हुआ है। किसी भी बस्ती का नियमितीकरण या पुनर्वास पर चर्चा तक नहीं की गयी है। लापरवाही का आलम यह है कि 2017 में शहर का क्षेत्रफल तीन गुना से ज्यादा बढ़ गया था, लेकिन आज तक नए क्षेत्रों में बसे मजदूर बस्तियों का चिन्हीकरण तक नहीं किया गया है।

अगस्त 2022 और अभी हाल ही में पुनः उच्च न्यायालय की और से बस्तियों को हटाने के आदेश आए हैं और सरकार उन आदेशों के बहाने अतिक्रमण हटाओ अभियान चला कर आम लोगों को प्रदेश भर में प्रताड़ित कर रही है। सरकार अपनी ही नाकामियों को छुपाने के लिए जनता को अपराधी ठहरा रही है, गरीब निरीह जनता के साथ इससे बड़ा छलावा नही हो सकता।

खुल खत द्वारा विपक्षी दलों ने इन मांगों को उठाये: सरकार अध्यादेश लाये कि अतिक्रमण हटाने के नाम पर किसी को बेघर नहीं किया जायेगा, क्योंकि किसी भी परिवार को बेघर करने से बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

सरकार युद्धस्तर पर 2016 के अधिनियम पर अमल करे, सरकार प्रदेश भर में वन अधिकार अधिनियम और अन्य नीतियों द्वारा लोगों के हकों को सुनिश्चित करे। सरकार न्यायालय के सामने चल रही याचिकाओं में हकीकत और सही कानूनी राय रखे।

मुख्यमंत्री की घोषणाओं को पोर्टल पर नियमित रूप से करें अपलोडः राधा रतूड़ी

संवाददाता

देहरादून। अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूडी ने नोडल अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते हुए निर्देश दिये कि मुख्यमंत्री की घोषणाओं को नियमित रूप से पोर्टल पर अपलोड किया जाये।

अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने पेयजल, आपदा प्रबन्धन, सिंचाई, विद्यालयी शिक्षा एवं शहरी विकास विभाग को सचिव स्तर पर प्रत्येक माह समीक्षा बैठक करने के साथ ही कार्यवृत अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री को प्रेषित करने के निर्देश दिए हैं।

सचिवालय में मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री की घोषणाओं के क्रियान्वयन की अद्यतन आख्या घोषणा पोर्टल पर अपलोड नही किये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए एसीएस राधा रतूड़ी ने विभिन्न विभागों में घोषणा नोडल अधिकारियों को घोषणा पोर्टल पर नियमित रूप से अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विभागों को

विलोपित अथवा हस्तान्तरित की जाने वाली घोषणाओं को अपने स्तर पर लम्बित न रख करके उनके सम्बन्ध में औचित्यपूर्ण प्रस्ताव मुख्यमंत्री कार्यालय को जल्द से जल्द प्रेषित करने के निर्देश दिए हैं।

एसीएस ने ऐसी घोषणाएं जो एक से अधिक विभागों से सम्बन्धित है, उनकों विभाग परस्पर समन्वय से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने निर्देश दिए कि घोषणाओं के क्रियान्वयन के लिए वितीय संसाधनों तथा उनकी फिजबिलटी आंकलन भी विभागों द्वारा अपने स्तर पर ही किया जाएगा। उन्होंने सभी विभागों को मुख्यमंत्री की घोषणाओं के क्रियान्वयन को शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के लिए मिशन मोड पर कार्य करने निर्देश दिए। बैठक में सचिव डा. सुरेन्द्र नारायण पाण्डेय, अरविन्द सिंह हयांकी, अपर सचिव सविन बंसल, सुश्री रंजना राजगुरू, नितिन भदौरिया, उप सचिव हीरा सिंह बसेड़ा तथा सम्बन्धित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

हिमालय क्षेत्र के विकास के लिए बनाया जाये प्राधिकरणः मर्तोलिया

संवाददाता

पिथौरागढ़। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित कर हिमालय क्षेत्र के विकास के लिए प्राधिकरण बनाने की मांग की।

आज यहां चीन सीमा पर स्थित जिला पंचायत सीट के सदस्य जगत मर्तोलिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम का ज्ञापन जिला अधिकारी रीना जोशी को सौपा। उन्होंने हिमालय क्षेत्र के विकास के लिए हिमालय विकास प्राधिकरण बनाए जाने की मांग की। उन्होंने उत्तराखंड के तीन जनपदों में स्थित जनजाति क्षेत्र को इनर लाइन की परिधि में ले जाने की मांग की। कैलाश मानसरोवर यात्रा का मार्ग मुनस्यारी के जोहार घाटी से किए जाने की मांग भी उठाई गई।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने जिलाधिकारी रीना जोशी को ज्ञापन सौंपते हुए उनसे अपेक्षा किया है कि उनका ज्ञापन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक पहुंचा दिया जाए। उन्होंने ज्ञापन में हिमालय क्षेत्र के विकास के लिए वैज्ञानिक आधार पर अलग नीति बनाए जाने को लेकर हिमालय विकास प्राधिकरण बनाने की घोषणा करने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण में स्थानीय जनता से चुने गए प्रतिनिधियों को भी नामित किए जाने की व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि नौकरशाहों के बंद कमरे में बनने वाली योजनाओं से क्षेत्र को निजात मिल सके।

उन्होंने उन्होंने कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग को धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जोहार घाटी से संचालित करने की मांग उठाई। उन्होने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी अस्थि कलश भी कैलाश मानसरोवर के लिए विकासखंड मुनस्यारी स्थित जोहार घाटी से ही कैलाश को ले जाए गए थे।

टूथब्रश किसी से न करें शेयर हो जायेगी यह दिमागी बीमारी

मैनिजाइटिस दिमाग से जुड़ी बीमारी है. यह ब्रेन को इफेक्ट करता है. मैनिजाइटिस में ब्रेन के साथ-साथ रीढ़ की हड्डी के आसपास जो लिक्विड और झिल्लियां होते हैं. उसमें सूजन आ जाते हैं. इन झिल्लियों को मेनिन्जेस कहते हैं. मैनिजाइटिस में होने वाले सूजन

ज्यादातर सिरदर्द, बुखार और गर्दन के अकडन पैदा करते हैं. लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि इसकी शुरुआती कैसे होती है. साथ ही यह भी जानेंगे कि इससे बचने का क्या तरीका है?

मैनिंजाइटिस का कारण

बैक्टीरियल मैनिंजाइटिस में बैक्टीरिया खून में चला जाता है जिसके कारण दिमाग और रीढ़ की हड्डी तक पहुंच जाता है. बैक्टीरियल मैनिंजाइटिस के कई कारण होते हैं. इसके कारण बैक्टीरियल साइनस और निमोनिया भी हो सकता है.

क्रोनिक मैनिंजाइटिस

क्रोनिक मैनिंजाइटिस काफी लंबे समय तक शरीर में रहता है. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस यह धीरे-धीरे पूरे शरीर को अपना शिकार बना लेता है. यह दिमाग और रीढ़ की हड्डियों के पास की झिल्लियों को काफी ज्यादा प्रभावित करता है. क्रोनिक मैनिंजाइटिस होने में दो सप्ताह या उससे अधिक दिन का वक्त लग सकता है. इसके अलावा ये इन्फ्लूएंजा वायरस की वजह से भी हो सकता है. और फिर आपके ब्रेन तक पहुंच सकता है.

मैनिंजाइटिस के कारण

मैनिंजाइटिस के कई कारण हो सकते हैं. जब बच्चा मां के पेट में रहता है और उस वक्त अगर ठीक से ख्याल न रखा जाए जो फीटल के जरिए हर्पीस सिम्प्लेक्स वायरस, एचआईवी, मम्प्स वायरस, वेस्ट नाइल वायरस मैनिंजाइटिस हो सकता है.

मैनिंजाइटिस के लक्षण

मैनिंजाइटिस होने पर शरीर में कई तरह के लक्षण दिखाई देने लगते हैं. जैसे- तेज बुखार, ब्रेन में इंफेक्शन. इसके अलावा रीढ़ की हड्डी में सूजन, सिर में दर्द रहना, गले में अकडन, उल्टी, दौरे पडना, भूख न लगना और भी कई सारे लक्षण दिखाई देने लगते हैं.

मैनिंजाइटिस से बचना है तो करें ये काम

मैनिंजाइटिस से बचना है तो हाइजीन का खास ख्याल रखें. जैसे- हाथों की सफाई करना, खांसने और छींकने के दौरान मुंह को कवर करना. बैक्टीरिया या वायरस आपके मुंह में घुस तो नहीं रहा है इसका ख्याल रखना. खांसने, छींकने, किस करने या खाने के बर्तन, टूथब्रश या सिगरेट शेयर करने के कारण भी मैनिंजाइटिस बढ़ सकता है. साथ ही छोटे बच्चों के इसका टीका जरूर लगवाएं.

अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी के लिए परीक्षण करेगा इसरो

बेंगलुरु। गगनयान मिशन के लिए मानवरहित उड़ान का पहला परीक्षण इस माह के अंत तक हो सकता है। इसरो ने शनिवार को कहा कि परीक्षण यान को 'एबॉर्ट मिशन-1 (टीवी-डी1) के लिए तैयार किया जा रहा है। यह अंतरिक्ष यात्रियों को यान से अलग करने के लिए 'क्रू एस्केप सिस्टम प्रणाली का परीक्षण है। इसी के साथ अंतरिक्ष एजेंसी ने गगनयान की तस्वीरें भी जारी की हैं।

इसरो के मुताबिक, परीक्षण यान एक एकल-चरण रॉकेट है। इसके पेलोड में 'क्रू मॉड्यूल (सीएम) और 'क्रू एस्केप सिस्टम (सीईएस) के साथ तेजी से काम करने वाले मोटर, 'सीएम फेयरिंग (सीएमएफ) और 'इंटरफेस एडेप्टर जैसे उपकरण शामिल हैं। इसरो ने कहा, सीएम के साथ सीईएस को लगभग 17 किलोमीटर की ऊंचाई पर परीक्षण यान से अलग किया जाएगा। सीईएस को अलग करने के बाद श्रीहरिकोटा तट से लगभग 10 किलोमीटर दूर समुद्र में परीक्षण संपन्न होगा।

अबॉर्ट जैसी पस्थितियां बनाई जाएगी

परीक्षण यान अंतरिक्ष यात्रियों के लिए बनाए गए 'क्रू एस्केप सिस्टम को 17 किलोमीटर की ऊंचाई तक ले जाएगा। फिर अबॉर्ट जैसी यानी अंतरिक्ष यात्रियों को बाहर निकालने के लिए अनुकूल स्थितियां बनाई जाएंगी। इससे वैज्ञानिक ये परीक्षण करेंगे कि क्या 'क्रू एस्केप सिस्टम ठीक तरह से काम कर रहा है या नहीं।

क्या है गगनयान मिशन

गगनयान में तीन दिन के मिशन के लिए तीन सदस्यों के दल को 400 किलोमीटर ऊपर पृथ्वी की कक्षा में भेजा जाएगा। इसके बाद क्रू एस्केप सिस्टम को सुरक्षित रूप से समुद्र में लैंड कराया जाएगा। अगर भारत अपने मिशन में कामयाब रहा तो वह ऐसा करने वाला चौथा देश होगा। इसे पहले अमेरिका, चीन और रूस ऐसा कर चुके हैं। (आरएनएस)

क्या टोमेटो केचप हेल्दी है,जानें डाइटिशियन की सलाह

कई लोग ऐसे हैं जिन्हें केचअप खाना बहुत पसंद होता है. ऐसा नहीं है कि सिर्फ जंक फूड के साथ बल्कि वह किसी भी खाने के साथ थोड़ा केचअप लेना पसंद ही करते हैं।

समोसा, ब्रेड, पकोड़े किसी भी चीज के साथ केचअप खाना खूब पसंद करते हैं. बच्चे हो या बूढ़े केचअप लोगों की पहली पसंद होती है. लेकिन आपकी जानकारी के लिए बता दें कि बहुत ज्यादा केचअप खाना हेल्थ के लिहाज से काफी ज्यादा नुकसानदायक होता है। क्योंकि इसमें सोडियम की मात्रा काफी अधिक होती है। यह शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

ज्यादा केचअप खाने से शरीर को होने वाले नुकसान

ज्यादा केचअप खाने से पाचन तंत्र से लेकर पेट सभी के लिए नुकसानदायक है. यह कई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है।

यह गठिया जैसी गंभीर बीमारी का कारण भी बन सकता है. बच्चों को को एकदम केचअप खाने न दें क्योकि यह काफी ज्यादा नुकसानदायक साबित हो सकता है. लेकिन कई लोग ऐसे हैं जो इसे हेल्दी मानते हैं. इसे बनाने वाली कंपनी भी इसे हेल्दी होने का दावा करती है।

टोमेटो केचप हेल्दी होते हैं?

जंक फूड लेकर नॉर्मल खाना सभी का स्वाद बढ़ाने के लिए केचअप का इस्तेमाल करते है. आपकी जानकारी के लिए बता दें कि केचअप को बनाने में कई तरह के केमिकल्स का इस्तेमाल किया जाता है।

जिसके कारण यह लंबे समय तक पैकेट में रह जाता है और यह जल्दी खराब नहीं होता है. यही कारण है कि इसे ज्यादा खाया जाएगा तो शरीर को कई तरह की गंभीर परेशानियां हो सकती है। बच्चों के लिए तो एकदम सुरक्षित नहीं है।

टोमेटो केचप खाने के नुकसान

बाजार में मिलने वाले टोमेटो केचप इसलिए हेल्दी नहीं क्योंकि जब इसे बनाया जाता है तो प्रोसेस के दौरान टमाटर का छिलका उतारकर उसमें कई सारे केमिकल्स मिलाए जाते हैं. इस दौरान इसके सारे पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं. जिसके कारण यह हेल्थ के लिए काफी ज्यादा नुकसानदायक साबित हो सकता है।

सोडियम की मात्रा अधिक होती है

बाजार में मिलने वाले केचअप में सोडियम की मात्रा काफी अधिक होती है. अगर आप इसे ज्यादा खाएंगे तो यह शरीर के लिए नुकसान दायक साबित हो सकता है. जिसके कारण हाई बीपी और हार्ट से जुड़ी बीमारी का खतरा हो सकता है।

शुगर की भी काफी मात्रा होती है

केचप में शुगर की मात्रा भी काफी अधिक होती है जिसके कारण यह अनहेल्दी है. इसे ज्यादा खाने से डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, बीपी का खतरा रहता है।

मोटापे का खतरा

ज्यादा केचप खाने से मोटापा का खतरा रहता है. इसमें मौजूद शुगर और सॉल्ट तेजी से वजन बढ़ाता है. इसलिए बहुत ज्यादा केचअप खाने से तेजी में मोटापा बढ़ता है।

भारतीय नौसेना में प्रथम 360 डिग्री मूल्यांकन प्रणाली नई पहल

श्वेत वस्त्रधारी महिलाएं और पुरुष भारतीय नौसेना के शिप फर्स्ट दृष्टिकोण के केंद्र में हैं और निकट भविष्य में भी इसकी सबसे बड़ी संपत्ति बने रहेंगे। अपने पेशेवर और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देने के लिए, भारतीय नौसेना मानती है कि एक चुस्त, अनुकूली और उन्नत मानव संसाधन प्रबंधन अनिवार्य है।

उस संबंध में, भारतीय नौसेना ने विभिन्न पदोन्नति बोर्डों के लिए 360 डिग्री मूल्यांकन तंत्र की एक नवीन परिवर्तनकारी पहल को संस्थागत बनाया है। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा आवधिक गोपनीय रिपोर्टों के वर्तमान मूल्यांकन तंत्र में टॉप-डाउन दृष्टिकोण की अंतर्निहित सीमा है, क्योंकि यह अधीनस्थों पर किसी नेता के प्रभाव को पूरा नहीं करता है या उसकी मात्रा निर्धारित नहीं करता है।

भारतीय नौसेना के 360 डिग्री मूल्यांकन तंत्र का उद्देश्य पदोन्नति के लिए विचार किए जा रहे प्रत्येक अधिकारी के लिए उपयुक्त रूप से पहचाने गए साथियों और अधीनस्थों से बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण शामिल करके इस कमी को दूर करना है। सर्वेक्षण में प्रश्नों का एक स्पेक्ट्रम शामिल है, जिसमें पेशेवर ज्ञान, नेतृत्व गुण, युद्ध/संकट में उपयुक्तता और उच्च रैंक प्राप्त करने की क्षमता जैसे पहलू शामिल हैं। इस प्रकार प्राप्त इनपुट को एक ध्वज अधिकारी की अध्यक्षता में नामित अधिकारियों के बोर्ड द्वारा स्वतंत्र विश्लेषण के लिए उपयुक्त रूप से परिमाणित किया जाता है। इसे व्यवहार परिवर्तन और सुधार लाने के लिए अधिकारियों को फीडबैक के रूप में भी प्रदान किया जाएगा।

इसी तरह की मूल्यांकन प्रणालियाँ विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षण संगठनों में प्रचलित हैं। भारतीय नौसेना ऐसी सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने में गर्व महसूस करती है और यह पहल लड़ाकू तैयार, विश्वसनीय, एकजुट और भविष्य प्रतिरोधी बल बने रहने की दिशा में अन्य प्रयासों की निरंतरता में है। (आरएनएस)

हिंदी की वजह से ही हम संवाद कर रहे हैं : मनोज

ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) ने विद्यार्थियों को हिंदी के महत्व को समझाने के उद्देश्य से 15 दिन चलने वाले हिंदी पखवाड़े का आयोजन 14 सितंबर हिंदी दिवस के अवसर पर किया।

एआईसीटीई ने हिंदी पखवाड़े के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन 05 अक्टूबर को किया जिसमें बतौर विशिष्ट अतिथि प्रख्यात साहित्यकार मनोज भावुक उपस्थित हुए। मनोज भावुक ने इस हिंदी पखवाड़े के दौरान अपने संबोधन में कहा कि हिंदी की वजह से ही हम संवाद कर पा रहे हैं वर्ना अपने ही आँगन में गूँगे-बहरों की तरह रहते। हिंदुस्तान के तमाम राज्यों को जोड़ती है हिंदी। बातचीत में शुद्ध हिन्दी की मांग नहीं होनी चाहिए। दरअसल हिंदी बोलियों के समूह की भाषा है। बोलियों का विकास हिंदी का विकास है। हिंदी की लड़ाई अंग्रेजी से है, बोलियों से नहीं। इसलिए हिंदी को उसके बोलियों के साथ फलने-फूलने दिया जाना चाहिए। इससे पहले एआईसीटीई के चेयरमैन प्रोफेसर टी. जी. सीताराम, वाइस चेयरमैन डॉ. अभय जेरे, सदस्य सचिव प्रोफेसर बी आर काकड़े, सलाहकार डॉ. आर के सोनी, डॉ. ममता रानी अग्रवाल और मुख्य अतिथि श्री मनोज भावुक ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विशिष्ट अतिथि श्री मनोज भावुक ने हिन्दी के विकास व गिरमिटिया देशों में उसकी यात्रा, तकनीकी शिक्षा और हिंदी, बतौर टेक्नोक्रेट अपने अफ्रीका व यूरोप प्रवास के अनुभव को साझा करते हुए अपनी प्रसिद्ध हिन्दी कविता खिलने दो खूशबू पहचानो, बस तुम अच्छे लगते हो, वसंत आया, पिया न आए गाकर युवाओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।

आदि कैलाश
जागेश्वर धाम
उत्तराखण्ड को
₹ 4200
करोड़
की परियोजनाओं
का उपहार
इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली,
पेयजल, खेल एवं पर्यटन, आपदा
प्रबंधन, बागवानी से जुड़ी कुल 23
विकास परियोजनाओं का
लोकार्पण
एवं
उत्तराखण्ड को महत्व देने के लिए प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद। हम निश्चित रूप से मोदी जी की आकांक्षाओं का उत्तराखण्ड बनाएंगे। प्रदेश के लिए उनका योगदान वृहद एवम् महत्वपूर्ण है। उत्तराखण्ड से उनका रिश्ता मर्म एवं कर्म का है। प्रधानमंत्री मोदी जी के मार्गदर्शन में प्रदेश नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है।
पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड
21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हरसंभव प्रयास। आज उत्तराखंड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है।
नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

प्रधानमंत्री

एवं शिलान्यास

प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी

के कर कमलों द्वारा

शिलान्यास
₹ 2845 करोड़ की 13 परियोजनाएँ

किसानों की आय में होगी वृद्धि

- 21398 पॉली-हाउस निर्माण की योजना
- उच्च घनत्व वाले सघन सेब बागानों की योजना

इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास

- राष्ट्रीय राजमार्गों पर 02 लेन एवं ढलान उपचार के 05 कार्य
- राज्य में 32 पुलों का निर्माण

आपदा प्रबंधन को मजबूती

- एसडीआरएफ के तहत अग्नि सुरक्षा बुनियादी ढांचे और बचाव उपकरणों को मजबूत करना
- देहरादून में राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (SEOC) का अपग्रेडेशन
- बटियानाला, जनपद नैनीताल में भूस्खलन की रोकथाम हेतु उपचार

शिक्षा, स्वास्थ्य और खेल सुविधाओं का विस्तार

- 20 मॉडल डिग्री कॉलेजों में हॉस्टल और कंप्यूटर लैब का निर्माण
- सोमेश्वर, अल्मोड़ा में 100 बिस्तरों वाला उप जिला अस्पताल
- चंपावत में 50 बिस्तरों वाले अस्पताल ब्लॉक का निर्माण
- रूद्रपुर में वेलो-ड्रोम निर्माण कार्य
- स्पोर्ट्स स्टेडियम, हल्द्वानी में एस्ट्रो टर्फ हॉकी मैदान का निर्माण

चार धाम की भांति मानसखंड के मंदिर क्षेत्रों का विकास

- मानसखंड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत जागेश्वर धाम, हाट कालिका एवं नैना देवी मंदिर में अवस्थापना सुविधाओं का विकास

गरिमामयी उपस्थिति

पुष्कर सिंह धामी मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड	अजय भट्ट केंद्रीय रक्षा मंत्री
मंत्री, उत्तराखंड सरकार	**सांसद**
सतपाल महाराज	डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक'
गणेश जोशी	अजय टम्टा
प्रेमचंद अग्रवाल	कल्पना सैनी
सुबोध उनियाल	नरेश बंसल
डॉ. धन सिंह रावत	रेखा वर्मा
रेखा आर्या	
सौरभ बहुगुणा	

12 अक्टूबर, 2023 (बृहस्पतिवार)
समय : अपराह्न 2:30 बजे

स्थान : श्री सुरेन्द्र सिंह बल्दिया
स्पोर्ट्स स्टेडियम, पिथौरागढ़

लोकार्पण
₹ 1349 करोड़ की 10 परियोजनाएँ

इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास

- पीएमजीएसवाई के तहत 76 सड़कें
- पीएमजीएसवाई के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 25 पुल
- 09 जिलों में 15 ब्लॉक कार्यालय भवन
- केन्द्रीय सड़क निधि के अन्तर्गत 03 सड़क सुदृढ़ीकरण कार्य
  - कौसानी - बागेश्वर रोड
  - धारी - डोबा - गिरेथिना रोड
  - नगला - किच्छा एस एच रोड डबल लेन
- राष्ट्रीय राजमार्गों को 2 लेन एवं सुदृढ़ीकरण करने का कार्य
  - एन एच 309 बी - अल्मोड़ा - पेट्सल - पनुआनौला - दन्या
  - एन एच - टनकपुर - चम्पावत
- प्रदेश में 39 पुल एवं देहरादून में यूएसडीएमए भवन

पर्वतीय क्षेत्रों में पेयजल और बिजली सुविधाओं की उपलब्धता

- 38 ग्रामीण पंपिंग पेयजल योजनाएं और 03 ट्यूबवेल आधारित पेयजल योजनाएं
- 419 ग्रामीण ग्रेविटी पेयजल योजनाएं
- थरकोट, पिथौरागढ़ में कृत्रिम झील
- 132 केवी पिथौरागढ़-लोहाघाट-चंपावत ट्रांसमिशन लाइन

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

दून वैली मेल देहरादून, 12 अक्टूबर 2023 www.dunvalleymail.com

केजरीवाल के लिए गंभीर समस्या

अजीत द्विवेदी

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हर मुश्किल को मौका बनाने में माहिर नेता हैं। लेकिन शराब नीति का घोटाला उनके गले की हड्डी बन रहा है। इस मामले में उनके नेता एक एक करके जेल जा रहे हैं और पूरी पार्टी के ऊपर खतरा मंडरा रहा है। इस खतरे का दायरा इसलिए भी बड़ा हो गया है क्योंकि केजरीवाल के पास जनाधार वाले या राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले नेता नहीं बचे हैं। उन्होंने एक डिजाइन के तहत पार्टी के तमाम संस्थापक नेताओं को या ऐसे नेताओं को, जिनका कोई स्वतंत्र वजूद था उनको बाहर कर दिया। प्रशांत भूषण से लेकर योगेंद्र यादव, कुमार विश्वास, आनंद कुमार आदि की मिसाल दी जा सकती है। उसके बाद उनके पास एमएलए तो बहुत हो गए और राज्यसभा के सांसद भी 10 हो गए लेकिन नेता गिनती के बचे। मनीष सिसोदिया और संजय सिंह के अलावा ले-देकर गोपाल राय और अब राज्यसभा में जाने के बाद राघव चड्ढा ही ऐसे नेता हैं, जो राजनीति के मैदान में दिखाई देते हैं।

केंद्रीय जांच एजेंसियों ने मनीष सिसोदिया और संजय सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। ये दोनों आम आदमी पार्टी का सबसे मुखर और लोकप्रिय चेहरा थे। सिसोदिया को जेल में आठ-नौ महीने हो गए। निचली अदालत और हाई कोर्ट ने उनकी जमानत नामंजूर कर दी है। लंबा समय बीत जाने और पत्नी की गंभीर बीमारी की दलीलों के बावजूद उनको जमानत नहीं मिली है। अब उनकी जमानत पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही लेकिन वहां दूसरी मुश्किल खड़ी होती दिख रही है। सर्वोच्च अदालत ने उलटे एजेंसियों से यह पूछा है कि जब घोटाले का पैसा पार्टी के खाते में गया है तो पार्टी को आरोपी क्यों नहीं बनाया गया? ध्यान रहे एजेंसियों ने कहा है कि शराब घोटाले का पैसा गोवा के विधानसभा चुनाव में खर्च किया गया। सोचें, अगर इस वजह से पूरी आम आदमी पार्टी ही आरोपी हो जाए तो पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल कितने समय तक बच पाएंगे?

बहरहाल, आम आदमी पार्टी के संस्थापक नेताओं को निकालने के बाद भी केजरीवाल के पास मौका था कि वे मजबूत जनाधार वाले और राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को राजनीति में आगे करते। पार्टी में पद देते, सांसद या विधायक बनाते लेकिन उन्होंने अपनी असुरक्षा में यह काम नहीं किया। उन्होंने बिना आधार वाले निराकार चेहरों को आगे किया। मिसाल के तौर पर दिल्ली से तीन राज्यसभा सदस्य बनाने का उनको मौका मिला तो उन्होंने एक सीट संजय सिंह को दी लेकिन दो सीटों पर सुशील गुप्ता और एनडी गुप्ता को उच्च सदन में भेजा, जिनका कोई राजनीतिक वजूद नहीं है। इसी तरह पंजाब में सात राज्यसभा सांसद बनाने का मौका मिला तो उन्होंने वहां भी क्रिकेटर हरभजन सिंह के अलावा तीन कारोबारियों- अशोक मित्तल, संजीव अरोड़ा और विक्रमजीत सिंह साहनी, एक चुनाव प्रबंधक संदीप पाठक और एक धार्मिक गुरू संत बलबीर सिंह को उच्च सदन में भेजा। वहां से ले-देकर एक राघव चड्ढा हैं, जो राजनीति करते दिखते हैं।

सो, अपने असुरक्षा भाव में केजरीवाल ने जनाधार वाले और राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले नेताओं को या तो किनारे कर दिया या पार्टी से निकाल दिया। उन्होंने पिछले कुछ दिनों से अपनी महत्वाकांक्षाओं को ताले में बंद करके विपक्षी पार्टियों के साथ संबंध सुधारे हैं। वे विपक्षी गठबंध न 'इंडिया' की तीनों बैठकों में बड़े लाव-लश्कर के साथ शामिल हुए। लेकिन मुश्किल यह है कि विपक्षी पार्टियां खुद ही केंद्रीय एजेंसियों की जांच में फंसी हैं। ज्यादातर पार्टियों के खिलाफ वैसे ही कार्रवाई चल रही है, जैसे आम आदमी पार्टी के खिलाफ चल रही है। तृणमूल कांग्रेस से लेकर, झारखंड मुक्ति मोर्चा और राष्ट्रीय जनता दल से लेकर जनता दल यू तक तमाम क्षेत्रीय पार्टियां मुश्किल में हैं। कांग्रेस के भी कई नेताओं पर तलवार लटक रही है। इस मामले में एक मुश्किल यह भी है कि विपक्ष का शायद ही कोई नेता होगा, जिसको केजरीवाल ने अपनी शुरुआती राजनीति के दिनों में भ्रष्ट नहीं ठहराया था। सो, सबके मन में उसकी भी एक गांठ निश्चित रूप से होगी।

अब मुश्किल यह है कि अपनी पार्टी में केजरीवाल इकलौते नेता हैं और उन पर भी शिकंजा कस रहा है। अगर शराब नीति में हुए कथित घोटाले का पैसा पार्टी ने चुनाव में खर्च किया है और अदालत की टिप्पणी के बाद एजेंसियां पार्टी को भी आरोपी बनाती हैं तो सीध केजरीवाल पर गाज गिरेगी। भारतीय जनता पार्टी ने कहना शुरू कर दिया है कि केजरीवाल के लिए भी हथकड़ी आने वाली है। ध्यान रहे केजरीवाल भाजपा के लिए बाकी किसी भी प्रादेशिक क्षत्रप से ज्यादा बड़ा खतरा हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को पता है कि केजरीवाल इकलौते नेता हैं, जो किसी भी मामले में भाजपा से बड़ा इवेंट और नैरेटिव क्रिएट कर सकते हैं। वे कितना भी बड़ा झूठ बोल सकते हैं और कोई भी वादा कर सकते हैं। उनके ड्रामे बाकी पार्टियों से अलग होते हैं और जनता में उनकी अपील होती है। ऊपर से अब वे विपक्षी गठबंधन में शामिल हो गए हैं और कम से कम दो राज्यों पंजाब और दिल्ली में कांग्रेस के साथ गठबंधन की बात कर रहे हैं। तभी उनके खिलाफ कार्रवाई की संभावना दिख रही है।

तभी सवाल है कि क्या अपनी जान बचाने के लिए वे भाजपा और केंद्र सरकार के साथ कोई डील कर सकते हैं? इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। बसपा, बीआरएस सहित कई पार्टियों के लिए ऐसा कहा जा रहा है कि केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई से बचने के लिए उन्होंने अंदरखाने कोई समझौता कर लिया है। केजरीवाल के सामने भी दो रास्ते दिख रहे हैं। पहला रास्ता तो सीधे भिडने का है। वे आम आदमी पार्टी के कट्टर ईमानदार और कट्टर देशभक्त पार्टी होने का एजेंडा लेकर सडक पर उतर सकते हैं। उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस करके कहा है कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार अब तक की सबसे भ्रष्ट सरकार है। यह टकराव का रास्ता है, जिसमें जोखिम बहुत है। सो, देखना होगा कि केजरीवाल इस पर कितनी देर और कितनी दूर तक टिके रहते हैं।

संदेश:कूटनीतिक अभयदान वापस ले लेगी सरकार

मुद्दा यह है कि अगर भारत पर यह गंभीर आरोप पांच देशों- अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड- के साझा सिस्टम के तहत लगा है, तो क्या बिना उन सभी से दो टूक बात किए भारत इस लांछन से मुक्त हो पाएगा?

नरेंद्र मोदी सरकार भारत वासियों को यह संदेश देना चाहती है कि कनाडा ने भारत पर गंभीर आरोप लगाए, तो उसे इसकी कीमत चुकानी होगी। इस सिलसिले में अब भारत सरकार ने कनाडा के 41 राजनयिकों को 10 अक्टूबर तक देश छोडने के लिए कहा है।

साथ ही चेतावनी दी है कि ये राजनयिक उस समयसीमा के बाद भी भारत में बने रहे, सरकार उन्हें मिला कूटनीतिक अभयदान वापस ले लेगी। खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या पर कनाडा के आरोप लगाने के बाद भारत की ओर से लिया गया यह एक और सख्त कदम है। बहरहाल, इससे भारत के क्या मकसद हासिल होंगे, यह साफ नहीं है।

इस प्रकरण में अब तक यह साफ हो चुका है कि निज्जर हत्याकांड में भारत का हाथ होने का आरोप लगाने से पहले कनाडा ने फाइव आई गठबंधन में शामिल सभी देशों ने आपस में कथित साक्ष्य साझा किए थे। अमेरिका की तरफ से ऐसे अनेक बयान आ चुके हैं, जिनमें भारत से कनाडा की जांच में सहयोग करने को कहा गया है। बल्कि कनाडा स्थित अमेरिका राजदूत ने यह भी कहा था कि कनाडा को हत्याकांड में भारत के कथित हाथ की सूचना फाइव आई के खुफिया साझा करने के सिस्टम के तहत दी गई थी।

यह खबर आ चुकी है कि निज्जर हत्याकांड के बाद अमेरिकी एजेंसी एफबीआई ने अपने यहां कई सिख कार्यकर्ताओं को उनकी जान खतरे में होने संबंधी चेतावनी दी थी। तो प्रश्न है कि क्या भारत सरकार ने इस बारे में अमेरिका से स्पष्टीकरण मांगा है?

मुद्दा यह है कि अगर भारत पर यह गंभीर आरोप पांच देशों- अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड- के साझा सिस्टम के तहत लगा, तो क्या बिना उन सभी से दो टूक बात किए भारत इस लांछन से मुक्त हो पाएगा? इस बारे भारत को तय यह करना है कि उसे लांछन-मुक्त होना है, या उन देशों से टकराव बढ़ाना है? अगर टकराव बढ़ाना सरकार ने उचित रणनीति माना है, तो फिर उसे यही सख्त रुख अमेरिका सहित बाकी देशों के खिलाफ भी अपनाना चाहिए। वरना, इसका प्रभाव घरेलू राजनीति तक सीमित रह जाएगा।

आप में आगे किसकी बारी?

मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और अब संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी के नेता डरे हुए हैं। सबको गिरफ्तारी की चिंता सता रही है। तभी दिल्ली के राजनीतिक सर्किल में यह बात पूछा जा रहा है कि अब किसकी बारी है? क्या केंद्र सरकार की एजेंसियां मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कार्रवाई करेंगी?

संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद भाजपा ने आप कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया और नारा लगाया कि केजरीवाल के लिए भी हथकड़ी पहुंचने वाली है। असल में शराब घोटाले में पार्टी के कई नेताओं के नाम आ रहे हैं या लाए जा रहे हैं। वाईएसआर कांग्रेस के एक सांसद के रिश्तेदार के साथ साथ एक कारोबारी दिनेश अरोड़ा सरकारी गवाह बन गए हैं। उसके बाद ही आप के नेताओं की चिंता बढ़ी है।

संजय सिंह की गिरफ्तारी का एक कारण यह बताया जा रहा है कि उन्होंने दिनेश अरोड़ा को अरविंद केजरीवाल से मिलवाया था और पार्टी के लिए 82 लाख रुपए का चंदा वसूला था। जब मिलवाने वाले व्यक्ति को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया तो सोचा जा सकता है कि मिलने वाली यानी केजरीवाल के लिए कितनी मुश्किल हो सकती है। हालांकि यह सबको पता है कि उन्होंने किसी फाइल पर दस्तखत नहीं किया होगा। लेकिन अगर शराब नीति में बदलाव करने के बदले पार्टी को पैसे मिलने का कोई सबूत मिलता है तो निश्चित रूप से पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक के नाते केजरीवाल मुश्किल में आएंगे। ईडी के एक आरोपपत्र में आप के सांसद राघव चड्ढा का भी नाम है।

हालांकि वे आरोपी नहीं बनाए गए हैं लेकिन एजेंसियों को किसी को आरोपी बनाने में कितना समय लगता है! तभी आम आदमी पार्टी में चिंता बढ़ी है और पार्टी के नेता इस मुश्किल को मौके में बदलने के प्रयास में लगे हैं।

००

सू- दोकू क्र.209

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.208 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

क्रीप्टो करेंसी के नाम पर ठगे 8 लाख रूपये, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। क्रीप्टो करेंसी के नाम पर आठ लाख रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सहस्त्रधारा रोड निवासी निरंजन प्रसाद ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि विगत 6-7 अगस्त 2023 को एक टेलीग्राम वेलेनटाइन नाम से उसको क्रीटो करेंसी में निवेश करने के नाम से पहले 1000, फिर 2000 तथा ऐसा करते करते जब उससे लगभग 200000 निवेश करवा लिये तब कहने लगे के अब 600000 और निवेश करें तभी उसको वह जमा पैसे मिल पायेंगे।

जब उसने ये भी जमा कर दिये तो अब कह रह है कि 16 लाख और जमा करो तभी उसको उसके पैसे मिल पायेंगे, जिससे उसको इन पर शक होने लगा तथा उसने यूटयूब पर इनके बारे में खोजबीन प्रारम्भ की तथा इनके पूरे खेल के बारे में पता किया तथा बलइमत बतपउम चवतजंस पर रिपोर्ट दर्ज की जिसका साईबर क्राईम प्रोर्टल पर रिपोर्ट दर्ज करायी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति के चबूतरे को क्षतिग्रस्त करने पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। डा. भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति का चबूतरा तोडने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डीएल रोड निवासी बंटी कुमार ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि डी.एल. रोड चौक पर डा. भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति स्थापना का कार्य निर्माण हो रहा है जो कि सर्वसमाज की सहमति से और स्थानीय निवासियों की सर्वसम्मति से इस स्थल का निर्माण हो रहा है। इस निर्माण कार्य में ध्यानचंद पुत्र थान सिंह निवासी निकट रविदास मंदिर डी.एल. रोड देहरादून के द्वारा जो कि चबूतरे के नजदीक एक दुकान में किरायेदार है और शुरू से इस निर्माण कार्य में बाधा डाल रहा है और सर्वसम्मति से तय स्थल पर सीढ़ी नहीं लगाने दे रहा है। घटना आज लगभग प्रात: 10 बजे लेबर कार्य करने गई तो ध्यानचंद द्वारा मजदूरों से गाली गलौच एवं चबूतरे को हथौडे से क्षतिग्रस्त कर दिया गया। ध्यानचंद एक अपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है तथा पूर्व में भी डी.एल. रोड पर एक दुकान पर कब्जा किया था। उस गरीब विधवा महिला से बड़ी धनराशि लेकर ही उस दुकान को खाली किया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

टेंकर की टक्कर से बालिका की मौत पर चालक गिरफ्तार

संवाददाता

पिथौरागढ़। तेल के टेंकर चपेट में आकर बालिका की मौत हो गयी। पुलिस ने चालक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

आज यहां मनोज कुमार निवासी ग्राम छारछुम थाना बलुवाकोट जिला पिथौरागढ़ द्वारा थाना बलुवाकोट में तहरीर दी गई कि गत दिवस की प्रात: लगभग साढे नौ बजे पिथौरागढ़ से धारचूला की ओर तेज गति से आ रहे तेल टैंकर ने उनकी नाबालिग पुत्री को जोर से टक्कर मार दी तथा आगे तक घसीटकर ले गया जिससे बालिका बुरी तरह से घायल हो गई। घायल बालिका का प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र धारचूला में प्राथमिक उपचार करने के बाद उसे जिला अस्पताल पिथौरागढ़ रेफर कर दिया गया, जहाँ चिकित्सकों ने बालिका को मृत घोषित कर दिया।

दी गई तहरीर के आधार पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़, लोकेश्वर सिंह के आदेशानुसार, आरोपी की गिरफ्तारी हेतु थानाध्यक्ष बलुवाकोट, अनिल आर्या के नेतृत्व में टीम गठित की गई। जिस पर अपर दरोगा नरेन्द्र पाल द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए वाहन चालक, सिमरजीत सिंह पुत्र तारा सिंह, निवासी- ग्राम चंगल धूरी थाना सदर बलियान जिला संगरुर पंजाब को मोटर पुल सड़क शिव मंदिर बलुवाकोट के पास से गिरफ्तार किया गया तथा वाहन को सीज किया गया। आरोपियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

डा. राममनोहर लोहिया की पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

हमारे संवाददाता

देहरादून। समाजवादी पार्टी प्रदेश कार्यालय देहरादून में आज डा. राम मनोहर लोहिया की 54वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धाजंलि सभा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्रदेश महासचिव अतुल शर्मा ने कहा कि लोहिया जी का पूरा जीवन उतार व चढ़ाव से भरा रहा है। उनके आर्दश और नाम पर देश में कई राजनीतिक दल सक्रिय है। एक दर्जन से अधिक कई योजनांए संचालित हो रही है।

23 मार्च 1910 को जन्मे लोहिया ने पण्डित जवाहर लाल नेहरू की सरकार के खिलाफ भी आवाज उठायी थी। 12 अक्टूबर 1967 को दुनिया को अलविदा कहने वाले लोहिया जी पर गांधी जी के विचार हमेशा जिंदा रहेगें। अपनी प्रखर देश भक्ति और तेजस्वी समाजवादी विचारों के कारण अपने समर्थको के साथ ही अपने विरोधियों के मध्य भी अपार सम्मान हासिल किया।

प्रदेश महासचिव अतुल शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार निकाय चुनावों को कराने में जानबूझ कर देरी कर रही है जबकि पालिकाओं का कार्यकाल दो दिसम्बर को खत्म हो रहा है। उन्होने कहा कि आज समाजवादी पार्टी लोहिया की पुण्यतिथि पर संकल्प लेती है कि साम्रदायिक शक्तियों को सत्ता से उखाड़ फेंकना है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष ज्योत्सना रावत, महानगर अध्यक्ष गुड्डी चौधरी, रमा शंकर यादव, अनामिका जोशी, रघुवीर सिंह आदि कई लोगों ने अपने विचार रखे।

घर से हजारों की नगदी, जेवरात चोरी

देहरादून(संवाददाता)। चोरों ने बंद मकान का ताला तोडकर हजारों की नगदी व जेवरात चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तिलक रोड निवासी सुभाष वर्मा ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह 07 अक्टूबर को समय लगभग छह बजे अपने निवास स्थल से परिवार सहित विकासनगर गये थे। 08 अक्टूबर समय लगभग रात्रि 11 बजे वापस घर आया तो उसके घर से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा 35 हजार रूपये नकद व सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिये गये। पुलिस ने केस दर्ज जांच शुरू कर दी है।

अवैध खनन में एक डम्पर और तीन ट्रैक्टर ट्रॉली सीज

देहरादून(संवाददाता)। पुलिस ने अवैध खनन में एक डम्पर व तीन ट्रेक्टर ट्रालियों को सीज कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह के निर्देशन में दून पुलिस द्वारा लगातार अवैध खनन तथा ओवरलोडिंग के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। एसएसपी के आदेश के बाद सभी थाना प्रभारियों ने अवैध खनन करने वालों के खिलाफ व्यापक अभियान शुरू कर दिया। इसी क्रम में गत देर रात्रि मे अलग- अलग थाना क्षेत्रों में अवैध खनन के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए पुलिस द्वारा 01 डम्पर तथा 03 ट्रैक्टर

ट्रॉलियों को अवैध खनन में सीज किया गया। जिसके खिलाफ विधिक कार्यवाही के लिए एसडीएम को दस्तावेज भेज दिये गये।

बिजली सस्ती दिलाने के मामले में यूपीसीएल के आगे सब बौने: मोर्चा

हमारे संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि यूपीसीएल की लापरवाही/निकम्मेपन/नाफरमानी की वजह से प्रतिवर्ष विद्युत उपभोक्ताओं को महंगे दामों पर बिजली खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है। आलम यह है कि यूपीसीएल पर राजभवन/ मुख्यमंत्री/ विद्युत नियामक आयोग एवं शासन के आदेशों कोई असर नहीं पड़ रहा है एवं विभाग अपनी मनमानी पर उतारू है।

नेगी ने कहा कि अगर आंकड़ों पर गौर फरमाएं तो वर्ष 2020-21 में डिस्ट्रीब्यूशन लॉस 13.96 फीसदी एवं एटी एंड सी लॉस 15.25 फीसदी रहा तथा इसी प्रकार क्रमश: वर्ष 2021-22 में 14.15 एवं 15.75 रहा तथा वर्ष 2022-23 में 14.41 एवं 15.49 रहा। इसके अलावा बाहर से 1000 करोड

रुपए से अधिक मूल्य की बिजली खरीद एवं लगभग 1000 करोड रुपए मूल्य का लाइन लॉस उपभोक्ताओं पर कहर बनकर टूट रहा है।

अधिकांश क्षेत्रों में डिस्ट्रीब्यूशन लॉस 25 से 40 फीसदी है, बावजूद इसके विभाग को कोई चिंता नहीं है। नेगी ने तंज कसते हुए कहा कि ऊर्जा प्रदेश वाला जुमला उपभोक्ताओं पर भारी पड़ रहा है। मोर्चा उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली दिलाने को शीघ्र ही न्यायालय से गुहार लगाएगा। पत्रकार वार्ता में मोर्चा महासचिव आकाश पंवार व प्रवीण शर्मा पिन्नी मौजूद थे।

एक नजर

अपर मुख्य सचिव ने विधायकों से प्राप्त प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा की

देहरादून(संवाददाता)। अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने विधानसभा क्षेत्रों के विधायकों से प्राप्त व्यापक महत्व व जनहित के कार्यों की समीक्षा की।

आज यहां विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के विधायकों से प्राप्त व्यापक महत्व/जनहित के 10-10 प्रस्तावो /कार्यों की समीक्षा राधा रतूड़ी, अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन द्वारा सचिवालय में की गयी।

बैठक में सचिव, मुख्यमंत्री डा. सुरेन्द्र नारायण पाण्डे द्वारा अवगत कराया गया कि विधायकों से प्राप्त कार्यों में लगभग 120 कार्यों के सम्बन्ध में घोषणाएं की जा चुकी हैं। शेष कार्यों को मुख्यमंत्री घोषणा में सम्मिलित किए जाने हेतु शासन स्तर पर परीक्षण किया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव ने विधायकों से प्राप्त प्रस्तावों पर समयबद्ध रूप से प्रभावी कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिए गए। बैठक में विशेष कार्याधिकारी आरसी शर्मा, उप सचिव हीरा सिंह बसेड़ा, अनुसचिव चिरंजी लाल आदि उपस्थित थे।

रक्षा संस्थान की जमीन के फर्जी कागजात बनाने वाला गिरफ्तार

देहरादून(संवाददाता)। रक्षा संस्थान की जमीन के फर्जी दस्तावेज बनाकर उसको बेचने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि फर्जी रजिस्ट्री प्रकरण में एसआईटी द्वारा की जा रही जांच में अब तक 16 आरोपियो को गिरफ्तार किया जा चुका है। सहायक महानिरीक्षक निबन्धन संदीप श्रीवास्तव द्वारा टर्नर रोड से सुभाष नगर चौक के मध्य क्लेमनटाउन में लगभग 2500 गज भूमि तथा लगभग 55 बीघा जमीन ग्राम माजरा के फर्जी विलेख पत्र के सम्बन्ध में कोतवाली नगर में मुकदमा दर्ज कराया।

उक्त प्रकरण में बिजनौर निवासी हुमायूँ परवेज का नाम प्रकाश में आने पर एसआईटी द्वारा उक्त आरोपी के विरूद्ध साक्ष्य संकलन की कार्यवाही करते हुए आज हुमायूँ परवेज को गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आये कि मौहम्मद हुमायू परवेज पुत्र जलीलू रहमान निवासी 24 मौहल्ला काजी सराय, नगीना जिला बिजनौर, द्वारा अपने साथी समीर कामयाब व अन्य साथियो की मदद से फर्जी विलेख तैयार कर देव कुमार निवासी सहारनपुर की मदद से रिकार्ड रुम रजिस्ट्रार कार्यालय में वर्ष 2016-17 में जिल्द में लगवा दिया था, जिसमें टर्नर रोड से सुभाष नगर चौक के मध्य क्लेमनटाउन स्थित जमीन का अल्लादिया से 1944 में जलीलू रहमान व अब्दुल करीम को फर्जी बैनामा बनाकर मालिक दर्शाया गया तथा 2019 से 2020 के बीच हुमायू परवेज द्वारा वसीयत के आधार पर 11 व्यक्तियों को उक्त जमीन की रजिस्ट्रिया कर दी गयी, जिसमें उसने लगभग 03 करोड रूपये जे. एण्ड के. बैंक सहारनपुर के खाते में प्राप्त किये गये। ग्राम माजरा की जमीन के असली मालिक लाला सरनीमल व मनीराम से फर्जी बैनामा 1958 का बनाकर जलीलू रहमान व अर्जुन प्रसाद को मालिक दर्शाया गया तथा सीमांकन हेतु प्रार्थना पत्र एसडीएम कार्यालय व उच्च न्यायालय उत्तरखण्ड को प्रेषित कर आदेश करवाये गये परन्तु ग्राम माजरा स्थित लगभग 55 बीघा जमीन वर्ष 1958 में तत्कालीन जिलाधिकारी द्वारा रक्षा मंत्रालय के नाम कर दी गयी थी, जो आज भी रक्षा मंत्रालय के कब्जे में है, जिस कारण सीमांकन की कार्यवाही को खारिज किया गया था।

जनता को भ्रमित कर गये मोदी: माहरा

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने दौरे में राज्य की जनता को भ्रमित कर गये हैं।

आज यहां कांग्रेस पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उत्तराखण्ड राज्य के पिथौरागढ़ दौरे को फिर एक बार घोर निराशाजनक, राजनैतिक एवं धार्मिक सैरसपाटा एवं जनता को गुमराह करने वाले जुमलों की बरसात वाला दौरा बताया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पिथौरागढ़ दौरे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने दौरे में राज्य की जनता को निराश करने तथा झूठी घोषणाओं की बरसात कर जनता को भ्रमित कर गये हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पिथौरागढ़ जनपद का दौरा मात्र धार्मिक तीर्थाटन और सैरसपाटे वाला दौरा सबित हुआ है। माहरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कई बार उत्तराखण्ड का दौरा कर चुके हैं परन्तु हर बार राज्य की जनता के हाथ खाली रह जाते हैं। उत्तराखण्ड दौरे के दौरान न तो प्रधानमंत्री को राज्य के आपदा पीडित क्षेत्रों का खयाल आता है, न यहां के पलायन का और न ही बढती बेरोजगारों की फौज का।

उद्योगपति मुकेश अंबानी ने किये बदरी-केदार के दर्शन, मंदिर समिति को किए पांच करोड़

संवाददाता

श्री बदरीनाथ/ केदारनाथ। प्रसिद्ध उद्योगपति मुकेश अंबानी ने श्री बदरी नाथ व श्री केदारनाथ धाम की यात्रा कर मन्दिर समिति को पांच करोड रूपये दान दिये।

आज यहां रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रमुख और देश के प्रसिद्ध उद्योगपति श्री मुकेश अंबानी ने आज श्री बदरीनाथ व श्री केदारनाथ धाम की यात्रा की और मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की। अंबानी के साथ उनके पुत्र अनंत अंबानी की मंगेतर राधिका मर्चेंट और समधन भी दर्शन को पहुंचे।

उन्होंने श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) को पांच करोड़ रूपए की धनराशि का चेक दान दिया। अंबानी का बदरीनाथ व केदारनाथ पहुंचने पर बीकेटीसी ने स्वागत किया। अंबानी पहले बदरीनाथ और उसके पश्चात केदारनाथ धाम पहुंचे। बदरीनाथ में बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने अंबानी का अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया।

अंबानी ने बीकेटीसी को पांच करोड़ रूपए की धनराशि दान दी। उन्होंने चेक के माध्यम से यह धनराशि बीकेटीसी के अध्यक्ष अजेंद्र अजय को सौंपी। इस अवसर पर बीकेटीसी के उपाध्यक्ष किशोर पंवार भी उपास्थित थे। बदरीनाथ दर्शन के पश्चात उद्योगपति मुकेश अंबानी केदारनाथ धाम पहुंचे। वहां भी मंदिर में उन्होंनश्री बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने उद्योगपति मुकेश अंबानी का आभार जताया।

उल्लेखनीय है कि आज उद्योगपति मुकेश अंबानी ने बदरी-केदार यात्रा के दौरान बीकेटीसी को 5 करोड़ दान की धनराशि का चौक प्रदान किया।

बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र अजय से वार्ता में उद्योगपति मुकेश अंबानी ने मंदिर समिति के प्रस्तावित प्रोजेक्टों हेतु मदद का भी भरोसा दिलाया।

केदारनाथ में केदारनाथ उत्थान चेरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त सचिव व बीकेटीसीके मुख्य कार्याधिकारी योगेन्द्र सिंह ने उनकी अगवानी की।

अंबानी ने प्रोजेक्टों में मदद का भरोसा दिलाया

श्री बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने उद्योगपति मुकेश अंबानी का आभार जताया। उल्लेखनीय है कि आज उद्योगपति मुकेश अंबानी ने बदरी-केदार यात्रा के दौरान बीकेटीसी को 5 करोड़ दान की धनराशि का चौक प्रदान किया।

बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने वार्ता में उद्योगपति मुकेश अंबानी ने मंदिर समिति के प्रस्तावित प्रोजेक्टों हेतु मदद का भी भरोसा दिलाया।

प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से अगला दशक उत्तराखंड का: महाराज

देहरादून/पिथौरागढ़। लोक निर्माण सिचांई मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री ने प्रदेश को 4200 करोड़ की परियोजनाओं की बड़ी सौगात देकर सिद्ध कर दिया है कि वास्तव में आने वाला दशक उत्तराखंड का ही है।

पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति, मंत्री सतपाल महाराज ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिथौरागढ़ और अल्मोड़ा आगमन के दौरान प्रदेश को 4200 करोड़ की परियोजनाओं की बड़ी सौगात देकर सिद्ध कर दिया है कि वास्तव में आने वाला दशक उत्तराखंड का ही है। धर्मस्व एवं संस्कृति, मंत्री सतपाल महाराज ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पिथौरागढ़ और अल्मोड़ा आगमन पर प्रदेश को 4200 करोड़ की परियोजनाओं का उपहार देने पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने उत्तराखंड से जुड़ाव और शुरुआती सफर को याद करते हुए कई बार यहां के आध्यात्मिक स्थलों का जिक्र किया है। उत्तराखंड के प्रति उनका अटूट स्नेह इस बात का प्रमाण है कि वह समय-समय पर अपने संबोधन में कई बार कह चुके हैं कि आने वाला दशक उत्तराखंड का है। महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस प्रकार से प्रदेश को 4200 करोड़ की परियोजनाओं का उपहार देने के अलावा आदि कैलाश के दर्शन कर पार्वती कुंड के समीप पूजा अर्चना की और फिर गुंजी गांव पहुंचकर सेना के जवानों से मुलाकात कर उनकी हौसला अफजाई की।

शिक्षा से वंचित बच्चों को जोड़ें मुख्यधारा से: सोनिका

देहरादून (संवाददाता)। जिलाधिकारी सोनिका ने शिक्षा से वंचित रह गए बच्चों को मुख्यधारा में लाने हेतु योजना बनाते हुए अभियान चलाकर कार्य करने के निर्देश शिक्षा विभाग एवं रेखीय विभागों के अधिकारियों को दिए।

आज यहां 'शिक्षा से वंचित रह गए बच्चों को नशे से दूर रखते हुए मुख्यधारा में लाने हेतु शिक्षा के साथ-2 व्यवसायिक शिक्षा से जोड़ा जाए, जिससे वे आत्मनिर्भर बने' यह बात जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार आयोजित जनपद स्तरीय स्टीयरिंग समिति की बैठक में कही। बैठक में वर्ष 2023-24 हेतु आयोजित की जाने वाली बालगणना के सम्बन्ध में चर्चा की गई। शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के प्राविधानों के अनुसार 06-14 एवं 06-18 (दिव्यांग) वय वर्ग के सभी बच्चों को नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने हेतु सभी बच्चों को चिन्हांकित करते हुए विद्यालय में शत् प्रतिशत् नामांकन एवं अपवंचित एवं कमजोर वर्ग के बच्चों को शत् प्रतिशत् नामांकन सुनिश्चित करना है। जिलाधिकारी ने शिक्षा से वंचित रह गए बच्चों को मुख्यधारा में लाने हेतु योजना बनाते हुए अभियान चलाकर कार्य करने के निर्देश शिक्षा विभाग एवं रेखीय विभागों के अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा से वंचित बच्चों को शिक्षा के साथ ही व्यवसायिक शिक्षा में व्यस्त रखें ताकि वे नशे की प्रवृत्ति एवं अपराधों से दूर रहें। इसके लिए बच्चों को नैतिक शिक्षा दी जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा से वंचित बच्चों को मुख्यधारा में जोड़ने के लिए उनके अभिभावकों को भी जागरूक करें, जिसके लिए एनजीओं का सहयोग ले लिया जाए।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।